विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग दशम् 'द' सह शैक्षणिक गतिविधियां

ता:- २४/०७/२०२० वर्ग शिक्षक श्यामउदय सिंह

*प्यारे बच्चों! कोरोना नामक महामारी की ऐसी वेला जब हर किसी के द्वारा सामाजिक दूरी शारीरिक दूरी बनाये रखने की बात कही जा रही है।'अनमोल (अपनी) जिन्दगी है, इसको बचाये राखो ' नामक नारे सुनने को मिल रहा है। ऐसे में समाजहित, देशहित,विश्वहित की भावना लोगों में बिल्कुल सिमटती जा रही है।

भारत हमेशा संपूर्ण विश्व का गुरु रहा है। ऐसे में मैं एक बार फिर भारतीय ऋषि मनीषियों के द्वारा मुखरित सर्वमंगलकारी श्लोक आप सबों के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभाग भवेत्।।

इस श्ऌोक के आलोक में एक आलोचनात्मक निबंध लिखें।